(4) **निदर्शन पर कायम रहने की कठिनाई** (Difficulty in Sticking to Sample)—निदर्शन में इकाइयों की संख्या कम होती है फिर भी चुनी गई इकाइयों पर कायम रहना कई बार बहुत कठिन होता। उदाहरण के लिए, जब निदर्शन में ऐसी इकाइयों का चयन हो जाता है जो दूर-दूर बिखरी हुई हों, उनसे सम्पर्क करना कठिन हो तो ऐसी स्थिति में उन लोगों के स्थान पर अन्य लोगों का चयन करना पड़ता है। इस परिवर्तन में निदर्शन में पक्षपात आने की सम्भावना रहती है।

(5) **निदर्शन की असम्भावना** (Impossibity of Sampling)—जिस प्रकार से कई अध्ययनों में संगणना-पद्धति का प्रयोग असम्भव होता है, उसी प्रकार से कहीं-कहीं निदर्शन पद्धति को काम में लेना भी असम्भव होता है। उदाहरण के लिए, जब समग्र बहुत छोटा हो, उसमें अनेक विविधताएं हों और सजातीयता का अभाव हो, जब शुद्धता की शत-प्रतिशत आवश्यकता हो और प्रत्येक इकाई अध्ययन की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण हो तो ऐसी स्थिति में निदर्शन विधि अनुपयुक्त होती है और उसके स्थान पर संगणना विधि का ही प्रयोग करना पड़ता है।

उपर्युक्त सीमाओं के बावजूद भी निदर्शन के महत्व से इन्कार नहीं किया जा सकता। मूल बात यह है कि निदर्शन का चयन उचित मात्रा में उचित रीति से किया जाय।

Scanned with CamScanner